सांध्य दैनिक

4PM

शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पाता है। शिक्षा सौंदर्य और यौवन को परास्त कर देती है।

-चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 74 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025

घर में पहली जीत दर्ज करना... 7 | सत्ता गंवाने के डर से घबराई... 3 | हम सब संविधान से चलने वाले... 2

पीडीए का कुनबा बढ़ा, सपा का सियासी भाव चढ़ा

भाजपा की नींद उड़ाने की तैयारी

- » अखिलेश बोले- बीजेपी सरकार में अल्पसंख्यक वर्ग पर तेज हुए हमले
- » बीजेपी जैन समाज को चंदा देने वाले एटीएम के तौर पर करती है इस्तेमाल
- » श्री गिरनार जी, श्री सम्मेद शिखर जी, पूज्य श्रुतिदेवी की प्रतिमा समेत जैनियों पर बढ़ते हमलों पर जताई चिंता
- » अल्पसंख्यक कैटेगरी में आता है जैन समाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इससे पहले की बीजेपी इंडिया गठबधंन के पीडीए का मुकम्मल जवाब दे पाती अखिलेश यादव ने राजनीतिक नहला पे दहला करते हुए जैन समाज को भी इसमें शामिल करने की पहल कर दी। अखिलेश यादव का यह हमला होमवर्क करके किया गया है और उनके इरादों को जाहिर करने के लिए काफी है।

एक तरफ सुमन-सरोज के जरिये सपा राजनीतिक फायर कर रही है तो वहीं जैन समाज को पीडीए में शामिल करने का न्योता उसके बड़े राजनीतिक मंसूबों को बताने के लिए काफी है। दरअस्ल आज सुबह सपा प्रमुख ने आंकड़ों के साथ बीते कुछ समय में जैन समाज के साथ घटित घटनाओं का उल्लेख किया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा है कि बीजेपी जैन समाज को सिर्फ चंदा देने वाला एटीएम समझती है।

सपा प्रमुख ने हाल में घटित जैन समाज के साथ सिलसिलेवार घटनाओं का विवरण दिया

जहां-जहां बीजेपी सरकार वहां-वहां हमले

अखिलेश यादव ने लिखा है कि आखिर ये क्यों होता है कि जहां-जहां भी भाजपा सरकार हैं, वहां-वहां जैनियों के तीर्थस्थलों, मंदिरों, जिनालयों, चैत्यालयों, समाजसेवी संस्थानों और समाज के साथ ऐसी विद्वेषपूर्ण घटनाएं हो रही हैं। भाजपा समर्थित एक ऐसा बहुत बड़ा वर्ग है, जो जैनियों की धार्मिक, सार्वजनिक, व्यापारिक-व्यावसायिक ही नहीं बल्कि व्यक्तिगत संपत्तियों पर भी आंख गड़ाए बैठा है और जैनियों को अल्पसंख्यक ही मानकर उनसे उनका सब कुछ छीन लेना चाहता है।

अचानक बढ़ गये जैनियों पर हमले

अखिलेश यादव ने कहा कि शांतिप्रिय जैन समाज पर अचानक बढ़ते जा रहे हमलों की कड़ी में मध्य प्रदेश के सिंगोली थाना क्षेत्र में एक मंदिर के प्रांगण में जैन मुनियों पर हुआ हिंसक हमला शारीरिक हमले की श्रेणी में आता है। जबलपुर में भाजपाई और उनके संगी-साथी के बीच लीक हुए टेलीफोनिक ऑडियो में जैनियों के बारे में की गई बेहद दुर्भावनापूर्ण-आपत्तिजनक टिप्पणियां एक वाचिक हमला रही और मुंबई में जैन मंदिर के ध्वस्तीकरण और जैन तीर्थंकरों की मूर्तियों, जिनवाणी व अन्य पूजनीय ग्रंथों और शास्त्रों का निर्वासन और निरादर बेहद गंभीर और घोर निंदनीय कुकृत्य की श्रेणी में आएगा।

पूरी दुनिया में हो रही है निंदा

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जैन समाज को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा है किभाजपा समर्थित एक ऐसा बहुत बड़ा वर्ग है जो जैनियों से उनका सब कुछ छीन लेना चाहता है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि वर्तमान समय में देश में अल्पसंख्यक होना एक अभिशाप बनता जा रहा है। आज अल्पसंख्यक जैन समुदाय में भय, असुरक्षा और अनिश्चितता की जो भावना व्याप्त है वह अत्यधिक चिंता का विषय है। जिसकी चर्चा, निंदा और आक्रोशपूर्ण प्रतिक्रिया संपूर्ण विश्व में हो रही है।

पेश किये आंकड़े

उन्होंने कहा कि चाहे भाजपा शासित गुजरात में 'श्री गिरनार जी' के मंदिर पर कब्जे का प्रकरण हो या फिर 'श्री सम्मेद शिखर जी' पर केंद्र की भाजपा सरकार का आपत्तिजनक हस्तक्षेप। कुछ साल पहले भाजपा राज में ही उत्तर प्रदेश के बागपत-बड़ौत के एक जैन कॉलेज की वह घटना जिसमें जैनियों की पूज्य 'श्रुतिदेवी' की प्रतिमा स्थापित करने का उग्र विरोध भाजपाई संगी-साथियों ने किया था। मध्य प्रदेश के नीमच में एक बुजुर्ग जैन 65 वर्षीय 'भंवरलाल जैन' को भाजपा सत्ता समर्थित एक प्रभुत्वशाली व्यक्ति द्वारा थप्पड़ मार-मारकर मार डालने की वीभत्स घटना। ये सब कुछ जैन समुदाय के उत्पीड़न के ही मामले हैं।

> "वर्तमान समय में देश में अल्पसंख्यक होना एक अभिशाप बनता जा रहा है।"

बीजेपी से पूछे कई सवाल

सपा मुखिया ने कहा कि जैन समाज आज भाजपा से पूछ रहा है कि भाजपा की निगाह में हमारा महत्व क्या सिर्फ़ चंदा देने तक सीमित है, हमारे धर्म की और हमारी रक्षा कौन करेगा? जब हम दबाव डालते हैं तो हर बार बाद में माफ़ी मांगने का नाटक किया जाता है। मंदिर को दोबारा बनाने से मूर्तियों, पूजनीय पुस्तकों और जैन समाज-समुदाय का जो अपमान हुआ है, क्या वह वापस आएगा?

पीडीए में शामिल होने का जैन समाज को सपा का न्योता

जैन समाज के साथ है सपा

अखिलेश यादव ने जैन दर्शन की शिक्षा को अतुलनीय बताते हुए कहा कि सत्ताधारी भाजपाइयों द्वारा की गई ऐसी हतोत्साहित करने वाली घटनाएं जैन समुदाय को चाहकर भी कमजोर नहीं कर पाएंगी, क्योंकि वह अल्पसंख्यक के रूप में उस 90 फीसदी जनसंख्या का हिस्सा हैं, जिनकी 'पीडीए' के समेकित रूप में रक्षा-सुरक्षा और एकजुटता का संकल्प हम सबने लिया है। इस कठिन समय में हम सब जैन समाज के साथ हैं। जैन समाज याद रखे, भाजपाई किसी के सगे नहीं हैं।

हम सब संविधान से चलने वाले लोग हैं : अखिलेश

बोले सपा प्रमुख- कुछ लोग मन से चलाना चाहते हैं देश

» कहा, उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेसवे हमने दिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के पूर्व सीएम व सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक कार्यक्रम में भाजपा व उनकी सरकारों पर जमकर पलटवार किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि हम लोग तो संवादी लोग हैं, दूसरी तरफ एकवादी लोग हैं। हम सब लोग संविधान से चलना चाहते हैं, कुछ लोग मन विधान से चलाना चाहते हैं। नेताजी हमारे बीच में नहीं हैं, लेकिन उन्होंने विरासत में जो हम लोगों को समाजवाद दिया है और समाजवादी आंदोलन दिया है।

हम सभी समाजवादियों की जिम्मेदारी है कि हम लोगों की अगले कई वर्षों तक उस आंदोलन को ले जाने की जिम्मेदारी है। अखिलेश यादव ने कहा कि मुझे नेताजी ने मिलिट्री स्कूल में पढ़ने का मौका दिया। मिलिट्री स्कूल की वजह से आज हम राजनीति में सफल हैं। दूसरा, हमें समाजवादी विचारधारा नेताजी ने दी। डॉ. भीमराव आंबेडकर जी का जो संविधान है, उसकी प्रस्तावना में चीजें लिखीं हैं। वी दा पीपुल। हम उसके अनुसार चलते हैं। प्रस्तावना में कहा गया है कि हमारा देश सेक्युलर, सोशलिस्ट, डेमोक्रेटिक, कंट्री हो। हम समाजवादी विचारधारा को लेकर चल रहे हैं। हमारे और आपके सामने चुनौतियां हैं। इन चुनौतियों के बीच हम किस तरह से सामाजिक न्याय स्थापित करें यही उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेसवे हमने दिए। समाजवादी पार्टी की सरकार ने 21 महीने में 323 किलोमीटर का 6 लेन एक्सप्रेसवे बनाकर दिखाया। देश का वो पहला एक्सप्रेसवे बना जिसपर आपतकालीन स्थिति में बड़े से बड़ा एयरक्राफ्ट उतार सकते हैं। जिस दिन उद्घाटन हुआ था, सुखोई, मिराज उतरा। हरक्यूलिस जैसा विमान भी पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर उतरा। अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने यूपी की सड़कों की हालत खराब है। ये जो भाजपा की सरकार में एक्सप्रेस वे बन रहे हैं उनपर चलने में हालत खराब हो जाएगी। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन पीएम मोदी ने किया। आज उस एक्प्रेसवे पर चलेंगे तो देखेंगे कि उसपर मेंटेनेंस का काम चल रहा है।

भाजपा सरकार ने बांटे घटिया मोबाइल

उन्होंने आगे कहा कि सपा सरकार ने छात्रों को लैपटॉप दिए। जिससे उनको पढ़ाई में मदद मिल सके। जिन बच्चों को ये लैपटॉप मिले उनकी एक अलग कहानी है। वो कैसे पढ़े, पूरे परिवार को उससे पढ़ने का मौका मिला। एक लैपटॉप से एक बच्चा नहीं बल्कि कई लोग पढ़ें। हमने अपनी और नेताजी की फोटो लगाई। इस सरकार ने उसकी नकल की। ये मोबाइल पर अपनी फोटो लेकर आए। इन लोगों ने जो मोबाइल बांटे हैं वो घटिया हैं। अखिलेश ने कहा कि सपा सरकार ने लखनऊ, आगरा, कानपुर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा में मेट्रो दी। दिल्ली से यूपी को मेट्रो से हमने जोड़ा। भाजपा सरकार बताए इन्होंने कौनसी दी। इन्होंने मेट्रो का काम रोका हुआ है। हमने वाराणसी में में मेट्रो दिया था। इस सरकार ने प्रधानमंत्री जी के क्षेत्र में मेट्रो नहीं बनने दी। इस सरकार ने वाराणसी में मेट्रो नहीं बनने दी। ये कहते हैं हम गोरखपुर में मेट्रो बनाएंगे। ये गोरखपुर में मेट्रो नहीं बनेगी। बारिश होती तो वहां नाव चलानी पड़ेगी। सोचिए सीएम अपने गृह जनपद का पानी नहीं निकाल पा रहे हो इससे बुरा ओर क्या हो सकता है।

ऐसा इतिहास जो लोगों के बीच विवाद पैदा करे उसका जिक्र नहीं करना चाहिए

अखिलेश यादव ने राणा सांगा विवाद पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि ऐसा इतिहास जो लोगों के बीच विवाद पैदा करे उसका जिक्र नहीं करना चाहिए। वहीं, सपा नेता अबू आजमी के औरंगजेब को लेकर दिए गए बयान पर उन्होंने कहा कि मुझे ये नहीं पता कि उन्होंने किस संदर्भ में ये बात कही है। हमें इतिहास को लेकर विवाद नहीं करना चाहिए।

जाति के आधार पर भेदभाव करती भाजपा

सपा में परिवारवाद के आरोप पर उन्होंने कहा कि सभी को अपनी योग्यता साबित करनी पड़ती है। परिवारवाद तो भाजपा में भी है। कई ऐसे नेता हैं जो भाजपा में काम कर रहे हैं। जो अपनी योग्यता साबित करेगा वो आगे जाएगा। उन्होंने कहा कि हम लोग संविधान से चलने वाले लोग हैं। भाजपा जाति के आधार पर भेदभाव करती है।

वक्फ को बचाना नहीं बर्बाद करना चाहती है केंद्र सरकार : ओवैसी

» सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश की समीक्षा कर रहे हैं ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन अधिनियम पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए केंद्र सरकार से 7 दिन में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि जवाब दाखिल करने तक केंद्रीय वक्फ परिषद और वक्फ बोर्ड में कोई भी नियुक्ति नहीं की जाएगी। वक्फ अधिनियम के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं।

इनमें से एक याचिका एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की भी है। असदुद्दीन ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश पर करीब से नजर रखी हुई है। ओवैसी का कहना है कि केंद्र सरकार वक्फ को कमजोर करने की कोशिश कर रही है, जो संघवाद के विरुद्ध है। यह कानून वक्फ की जमीन को तबाह करने के लिए लाया गया है। पार्टी और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड इस काले कानून के खिलाफ डट कर खड़े हैं।

अदालत जो भी फैसला करेगी, वो हमें मंजूर होगा : सलमान खुर्शीद

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भी सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर बात करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में सभी दलीलें रखी गई हैं। आखिरी फैसला कोर्ट का होगा। अगर नया कानून लागू भी होता है तो सुप्रीम कोर्ट के पास इसकी समीक्षा करने का पूरा अधिकार है। अदालत जो भी फैसला करेगी, वो हमें मंजूर होगा।

आजम खां को राहत,तीन मामलों में जमानत

» जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां को एक बार फिर अदालत से राहत मिली है। उत्तर प्रदेश स्थित रामपुर की स्पेशल एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने आजम खान की चार जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए तीन मामलों में उन्हें जमानत दे दी है, जबकि एक मामले में उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया गया है। हालांकि अभी वह जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। दरअसल, आजम खान के खिलाफ चार मामले स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट में विचाराधीन थे।

इनमें से दो मामले हेट स्पीच यानी भड़काऊ भाषण से जुड़े थे, एक मामला शत्रु संपत्ति से जुड़ा था और चौथा मामला गवाह को धमकाने और साजिश रचने से संबंधित था। सुनवाई में कोर्ट ने हेट स्पीच से जुड़े दोनों मामलों और शत्रु संपत्ति केस में जमानत याचिका को मंजूर कर लिया है। लेकिन गवाह को धमकाने के आरोप वाले मामले में कोर्ट ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया। इस फैसले के बाद आजम खान के वकील जुबेर अहमद नेबात करते हुए कोर्ट के आदेश की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मोहम्मद आजम साहब की स्पेशल एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चार बेल पेंडिंग थीं आज सुनवाई के बाद आर्डर रिजर्व था उसमें से तीन बेल कोर्ट ने मंजूर कर दी हैं — दो हेट स्पीच के मामले और एक शत्रु संपत्ति से जुड़ा मामला. एक बेल खारिज हुई है, जो गवाह को धमकाने की साजिश से संबंधित है. इस खारिज बेल के खिलाफ अब हम सेशन कोर्ट में अपील करेंगे।

मुश्किलें पूरी तरह खत्म नहीं!

बता दें कि आजम खान पर 100 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से अधिकांश में उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी है लेकिन अभी भी आजम खान सीतापुर की जेल में बंद हैं, वकील जुबेर अहमद के अनुसार अब सिर्फ दो मामलों में जमानत शेष रह गई है। एक मामला हाई कोर्ट में लंबित है और दूसरा गवाह को धमकाने का मामला, जिसमें आज जमानत याचिका खारिज हुई है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

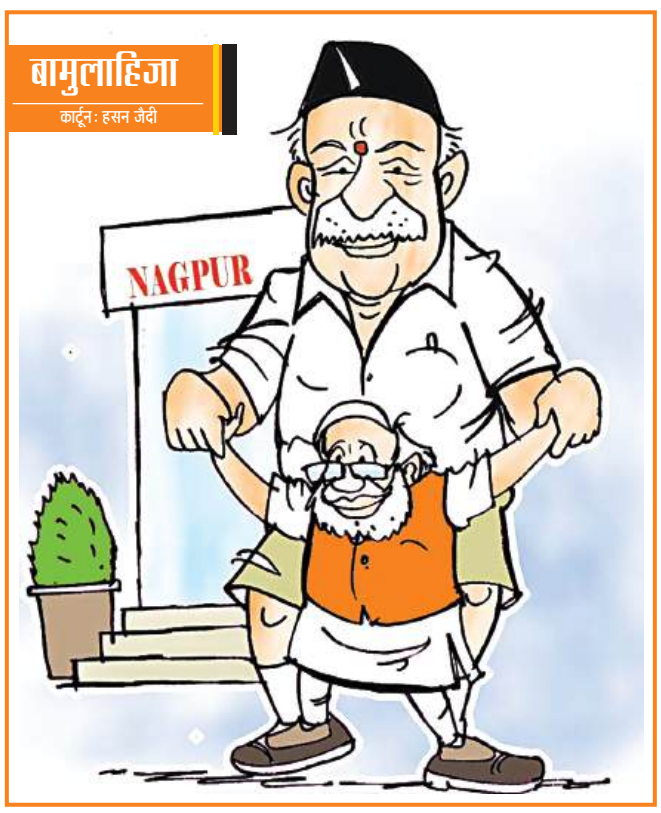

राज्यपाल की सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी 'अस्वीकार्य' : विजयन

» बोले केरल के सीएम गवर्नर सिर्फ राजनीति करते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले के संबंध में की गई टिप्पणी को ''अस्वीकार्य'' करार दिया, हालांकि यह भी कहा कि वह (राज्यपाल) अपने पूर्ववर्ती की तरह नहीं हैं।

उच्चतम न्यायालय ने कुछ दिन पहले अपने एक ऐतिहासिक फैसले में 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ रोककर रखने के लिए तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि को कड़ी फटकार लगाई तथा राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपाल की कार्रवाई के लिए एक समय सीमा तय की। विजयन ने कहा कि आमतौर पर राज्यपाल को उच्चतम न्यायालय के फैसले के विपरीत रुख नहीं अपनाना चाहिए, लेकिन इस मामले में ऐसा करने के पीछे ''राजनीतिक कारण'' है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''यहां यही हुआ है, इसलिए ऐसा रुख अस्वीकार्य है।''आर्लेकर ने कथित तौर पर कहा है कि न्यायालय द्वारा विधेयकों के संबंध में समयसीमा निर्धारित करना न्यायपालिका द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करना है। विजयन ने कहा, ''हालांकि, नये राज्यपाल अपने पूर्ववर्ती की तरह नहीं हैं। वह सरकार के साथ अच्छे तरीके से सहयोग कर रहे हैं।

सत्ता गंवाने के डर से घबराई बीजेपी

जांच एजेंसियों के ओट से विपक्ष पर कर रही चोट

- » गांधी परिवार के सदस्यों पर ईडी की कार्रवाई
- » भाजपा से नहीं डरेंगे राहुल गांधी!
- » नेता प्रतिपक्ष के गुजरात दौरे के बाद से भाजपा सहमी

मो. इरफान/4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा आज भले ही केंद्र में सत्ता में बनी हुई हो लेकिन सत्ता को खोने का डर इस कदर सता रहा है कि विपक्ष को पूरी तरह से कमजोर करने की साजिश रची जा रही है। विपक्षी नेताओं को भाजपा के खिलाफ बोलने या सच दिखाने पर जांच एजेंसियों से धमकी दिलवाई जा रही है। ईडी द्वारा समन भेज कर विपक्ष को खामोश करवाया जा रहा है। इसी क्रम में ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी को समन भेजा है।

जिसे लेकर सियासी गलियारों में जमकर चर्चा हो रही है। दरअसल इस बिहार और गुजरात में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं ऐसे में अब कांग्रेस ने अपने पूरे पत्ते खोल दिए हैं और जमकर चुनावी प्रचार-प्रसार कर रही है। विपक्ष द्वारा भाजपा पर लगातार आइना दिखाया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष की बढ़ती लोकप्रियता न सिर्फ मोदी-शाह बल्कि पूरी भाजपा की आँखों में खटक रही है। जिसकी वजह से भाजपा की कथित चाटुकारिता कर रही जांच एजेंसियों अब फिर से एक्टिव हो गई हैं। ऐसे में आपके मन में ये सवाल उठ रहा होगा कि आखिर इडी रूपी जिन्न अभी ही क्यों बाहर आया और राहुल-सोनिया को समन क्यों किया गया। हम बताते हैं दरअसल भाजपा के गढ़ को भेदने में जुटे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में गुजरात में हुए कांग्रेस के अधिवेशन में भाजपा और पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला था। उसका भाजपा की इतना बुरा लग गया कि सीधा सामान ही भिजवा दिया गया। वहीं अब इसे लेकर शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे के अखबार सामना ने इसको लेकर कई सवाल उठाए हैं। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के अखबार सामना ने 'हेराल्ड' के खिलाफ ईडी की जब्ती की कार्रवाई को सियासी बदला करार दिया है।

ईडी छापेमारी का राहुल पर कोई असर नहीं

ईडी ने आरोप लगाया है कि यंग इंडियन और एजेएल की संपत्तियों का इस्तेमाल 18 करोड़ रुपये के फर्जी दान, 38 करोड़ रुपये के फर्जी अग्रिम किराए और 29 करोड़ रुपये के फर्जी विज्ञापनों के रूप में अपराध की आगे की आय अर्जित करने के लिए किया गया। साथ ही जानकारी के लिए बता दें कि यह मामला मूल रूप से भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर किया गया था, जिसमें सोनिया और राहुल गांधी दोनों पर 'आपराधिक गबन' का आरोप लगाया गया था। यह मामला तब दर्ज किया गया जब यंग इंडियन ने 2010 में एजेएल की 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की सभी संपत्तियां खरीद लीं। हालाँकि अभी मौजूदा समय की बात की जाए तो खुद सुब्रमण्यम स्वामी बीजेपी के खिलाफ बोलते हुए नजर आते हैं। ऐसे में अब ये माना जा रहा है कि ईडी द्वारा यह कदम कांग्रेस नेता राहुल गांधी को शांत करवाने के लिए करवाया गया है। लेकिन इसका कुछ असर पड़ता दिखाई नहीं दे रहा है क्योंकि एक तरफ ईडी जैसी जांच एजेंसियां समन भेज रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी गुजरात और बिहार को अपना बनाने में जुटे हुए हैं।

कांग्रेस को शांत करवाने के लिए उठाया कदम

ऐसे में सामना के मुताबिक 'नेशनल हेराल्ड' के खिलाफ कार्रवाई कांग्रेस, गांधी और बीजेपी के राजनीतिक विरोधियों के लिए एक चेतावनी है, यह चेतावनी है 'चुप रहो', मतलब साफ़ है भाजपा ने कांग्रेस को शांत करवाने के लिए ये कदम उठाया है। दरअसल अभी हाल ही में गुजरात में कांग्रेस की तैयारी देख कर भाजपा के होश उड़े हुए हैं। उस अधिवेशन के दौरान राहुल गांधी ने भाजपा पर जोरदार हमला बोला था। साथ ही उन्होंने कहा कि हमारी संगठन में काफी बैठकें हुई हैं। हम चाहते हैं कि जिला अध्यक्षों को संगठन की नींव बनाएं, शक्ति बनाएं। डिस्ट्रिक्ट कमेटी और डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट को हम पार्टी की फाउंडेशन बनाने जा रहे हैं। आप सभी को लड़ना है। ये आसान नहीं है। उनके पास धन हैं, देश के सारे इंस्टीट्यूशंस हैं। हालाँकि गुजरात को लेकर राहुल गांधी ने पहले भी बड़े दावे किये हैं।

सामना ने इकबाल मिर्ची के सहारे भाजपा को घेरा

सामना में न सिर्फ सवाल उठाए गए हैं बल्कि ऐसे दावे भी किये गए हैं जिसे सुनकर भाजपा चौंक जाएगी। दरअसल सामना में दावा किया गया है कि पंडित जवाहरलाल नेहरू का तो देश को आजाद कराने और नए भारत के निर्माण में तो अहम योगदान भी था, लेकिन इकबाल मिर्ची जैसे लोगों का देश के निर्माण में क्या योगदान है? अगर ऐसा है तो मोदी सरकार ने उनकी संपत्तियों को क्लीन चिट देकर हिंदुत्व और राष्ट्रवाद पर चार चांद लगा दिए क्या? साथ ही इस अखबार में बड़ा खुलासा करते हुए लिखा गया है कि-जब प्रफुल्ल पटेल शरद पवार की पार्टी में थे तो 'ईडी' ने इकबाल मिर्ची के साथ व्यापार कर संपत्ति अर्जित करने की वजह से कार्रवाई की थी। प्रफुल्ल पटेल की संपत्ति दाऊद से जुड़ी होने की वजह से जब्त कर ली गई। ईडी की जांच के दायरे में आने के बाद प्रफुल्ल पटेल मोदी-शाह के शरण में चले गए। इसके लिए उन्होंने शरद पवार को 'धोखा' देकर मोदी-शाह को खुश किया। इसका सीधा असर यह हुआ कि दाऊद-मिर्ची की सैकड़ों करोड़ की संपत्ति 'साफ' कर मुक्त कर दी गई। यानी मिर्ची लेन-देन को ही क्लीन चिट दे दी गई। जबकि मिर्ची की ये सभी संपत्तियां सैकड़ों करोड़ की थीं।

देश के दुश्मनों की संपत्ति को ईडी ने जांच के दायरे से क्यों किया बाहर

दरअसल ईडी ने नेशनल हेराल्ड' मामले में ने सोनिया और राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से पहले 'यंग इंडियन' और 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' के खिलाफ जांच की एक श्रृंखला शुरू की थी। जांच के दौरान राहुल गांधी और सोनिया गांधी को पूछताछ के लिए ईडी ने पूछताछ के लिए अपने दफ्तर बुलाया था। उसके बाद से इस मामले में ईडी व किसी अन्य जांच एजेंसी ने कोई कार्रवाई नहीं की.जिसे लेकर सामना में सवाल उठाए गए हैं। भाजपा से सवाल किया गया है कि अगर वित्तीय लेनदेन में गड़बड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग की वजह से सोनिया और राहुल के खिलाफ ईडी ने नोटिस जारी किया तो फिर देश के दुश्मन दाऊद इब्राहिम, इकबाल मिर्ची की संपत्ति को ईडी ने कैसे जांच के दायरे से मुक्त कर दी।

राहुल गांधी के आक्रामक रूख से भाजपा परेशान

दरअसल राहुल गांधी ने पिछले साल जुलाई में लोकसभा में कहा था, आप लिखकर ले लो आपको विपक्षी इंडिया गठबंधन गुजरात में हराने जा रहा है। मौका था लोकसभा में नरेंद्र मोदी सरकार के विश्वास प्रस्ताव पर बहस का। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में यह राहुल गांधी का संसद में पहला भाषण था। उन्होंने यही बात संसद सत्र के बाद अपने गुजरात दौरे में भी दोहराई थी। इसके बाद उन्होंने गुजरात का दो बार दौरा किया है। वहीं आपको बता दें कि राहुल ने बीजेपी को हराने का दावा तब किया था, जब कांग्रेस संसद ने तीन अंकों में सीटें जीतने से केवल एक सीट दूर रह गई थी। इससे कांग्रेस और उसके नेताओं के हौसले बुलंद थे। लेकिन उसके बाद हुए महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा, जम्मू कश्मीर और दिल्ली के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के हिस्से में कुछ खास नहीं आया है, उसे हर जगह हार मिली है उसे कुछ सफलता झारखंड और जम्मू कश्मीर में मिली। लेकिन वहां वह जूनियर पार्टनर थी। राहुल गांधी ने सात मार्च को गुजरात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा, गुजरात में कांग्रेस की लीडरशिप में दो तरह के लोग हैं। उनमें बंटवारा है। एक हैं जो जनता के साथ खड़े हैं, जिनके दिल में कांग्रेस की विचारधारा है। दूसरे वे हैं, जो जनता से कटे हुए हैं, दूर बैठते हैं और उनमें से आधे बीजेपी से मिले हुए हैं। अगर हमें 10, 15, 20, 30 या 40 लोगों को भी हटाना पड़े, तो हम एक उदाहरण स्थापित करके ऐसा कर देंगे।

कांग्रेस में भारी आक्रोश, ED दफ्तरों के बाहर विरोध प्रदर्शन

वहीं आपको बता दें कि ईडी द्वारा राहुल गांधी को समन भेजे जाने पर कांग्रेस में भारी आक्रोश और इसे लेकर कांग्रेस सड़कों पर उतरी है। इसके विरोध में पार्टी देशभर में ईडी दफ्तरों के बाहर आज विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। केरल में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को वाटर कैनन चलाकर खदेड़ा गया। वहीं मामले की सुनवाई की बात करें तो आगामी 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कोर्ट ने ईडी से मामले की केस डायरी भी मांगी है। 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ इस मामले की शिकायत की थी। 12 अप्रैल 2025 को जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करने की

कार्रवाई की गई। ईडी ने दिल्ली, लखनऊ और मुंबई में 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया था। वहीं इससे पहले, मंगलवार को ही सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा प्रवर्तन निदेशालय के ऑफिस पहुंचे। जहां उनसे गुरुग्राम के शिकोहपुर लैंड घोटाले में पूछताछ हुई। आज फिर उनसे तीसरी बार पूछताछ हुई। ईडी द्वारा रॉबर्ट वाड्रा को तीसरे दिन के लिए तलब किए जाने पर उन्होंने इसे भाजपा का राजनीतिक अभियान बताया। उन्होंने कहा कि अगर वह राजनीति में आते हैं तो भाजपा या तो वंशवाद की बात करेगी या ईडी का दुरुपयोग करेगी। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, यह भाजपा का राजनीतिक अभियान है कि सोनिया जी और राहुल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है और मुझे उसी दिन तलब किया गया। इसलिए, वे मीडिया के माध्यम से यह दिखा रहे हैं कि हम कुछ गलत कर रहे हैं। जनता जागरूक है, वे सब कुछ जानते और समझते हैं। ऐसी बातों का कोई मतलब नहीं होता, इससे हम और मजबूत होते हैं। इससे कोई नतीजा नहीं निकलेगा क्योंकि इसमें कुछ है ही नहीं। अगर वे कुछ गलत करके दिखाना या करना चाहते हैं, तो मैं इसे नियंत्रित नहीं कर पाऊंगा, लेकिन सच्चाई यह है कि उनके पास कुछ भी नहीं है। राजनीति में शामिल होने के बारे में उन्होंने कहा, 卐निश्चित रूप से. अगर लोग चाहेंगे, तो मैं अपने परिवार के आशीर्वाद के साथ शामिल होऊंगा. मैं कांग्रेस के लिए कड़ी मेहनत करूंगा. यह जारी रहेगा क्योंकि हम आंदोलन करते हैं, हम लोगों के लिए लड़ते हैं, हम अन्याय के खिलाफ हैं और हम लड़ते रहेंगे। गौरतलब है कि ये मामला अब तूल पकड़ता ही जा रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बढ़ता अवसाद महामारी बड़े खतरे का संकेत!

भारत समेत विश्व के कई देशों में किशोर बच्चे अवसाद से ग्रसित हो रहें है। ये समस्स एक बड़े खतरे का संकेत दे रहे हैं। आजकल की भाग-दौड़ वाली दुनिया में मानसिक समस्याएं बड़ी तेजी से लोगों को अपना शिकार बनाती जा रही हैं। इसका प्रभाव इतना तीक्ष्ण और विकराल होता है कि इससे न तो कोई देश बचा है, और न ही कोई राज्य... इसके घातक प्रभाव से अछूता आज न तो कोई गांव है, न कोई शहर और न ही कोई गली-मोहल्ल। इसका शिकार बच्चे, किशोर, बड़े, वृद्ध, स्त्री और पुरुष सभी हो रहे हैं, लेकिन आंकड़ों की बात करें तो विशेष रूप से, बच्चों और किशोरों में यह समस्या कुछ ज्यादा ही जटिल होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की मेन्टल हेल्थ ऑफ चिल्ड्रन एंड यंग पीपल नामक ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 10 से 19 वर्ष का प्राय: प्रत्येक सातवां बच्चा किसी-न-किसी प्रकार की मानसिक समस्या से जूझ रहा है। बच्चों की मासूमियत खत्म होती जा रही है। उनकी फूल-सी मुस्कराहट कहीं खोती जा रही है। वे बेहद गुस्सैल होते जा रहे हैं।

वे बात-बात पर क्रोध करने लगे हैं। उनकी बात नहीं सुनी और मानी जाए तो वे आपे से बाहर हो जाते हैं। यहां तक कि कई बार तो अपने माता-पिता और अभिभावक के ऊपर हमले करने से भी वे नहीं चूकते। जाहिर है कि ऐसे में उनके माता-पिता को यह समझ में ही नहीं आता कि जो बच्चे कुछ महीने, साल पहले तक मासूमियत से भरे बिल्कुल सामान्य व्यवहार वाले थे, हर पल खेलते-कूदते, हंसते-मुस्कराते, गाते-गुनगुनाते और आयु के अनुरूप शरारतें करते रहते थे, आखिर क्या कारण है कि अचानक उनका व्यवहार इस प्रकार बदल गया कि वे उन्हें बिल्कुल सुनना और मानना ही नहीं चाहते। इसे विडंबना नहीं तो और क्या कहा जाए कि खेलने-कूदने और खाने-पीने की आयु में देश के बच्चों और किशोरों में बैचेनी, डिप्रेशन और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं आज गंभीर से गंभीरतम रूप लेती जा रही हैं। बच्चे एंग्जाइटी और डिप्रेशन का सामना कर रहे थे। यूनिसेफ के एक अनुमान के मुताबिक कोरोना महामारी के बाद ये आंकड़े पहले की तुलना में कई गुना अधिक बढ़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि पूरी दुनिया में 30 करोड़ से भी अधिक लोग एंग्जाइटी से जूझ रहे हैं और 28 करोड़ लोग डिप्रेशन का सामना कर रहे हैं। विज्ञान आधारित दुनिया भर में प्रसिद्ध जर्नल द लैंसेट साइकिएट्री में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में 75 प्रतिशत टीनएजर्स एंग्जाइटी और डिप्रेशन से जूझ रहे हैं। समाज व परिवारों को कुछ ऐसा करना होगा ताकि इस दिक्कत से निपटा जा सके ।

“ इसका शिकार बच्चे, किशोर, बड़े, वृद्ध, स्त्री और पुरुष सभी हो रहे हैं, लेकिन आंकड़ों की बात करें तो विशेष रूप से, बच्चों और किशोरों में यह समस्या कुछ ज्यादा ही जटिल होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की मेन्टल हेल्थ ऑफ चिल्ड्रन एंड यंग पीपल नामक ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 10 से 19 वर्ष का प्राय: प्रत्येक सातवां बच्चा किसी-न-किसी प्रकार की मानसिक समस्या से जूझ रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मुख्य मुकाबले में बने रहने को कांग्रेसी विचार मंथन

के.एस. तोमर

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने हाल ही में अपना एआईसीसी सत्र अहमदाबाद में आयोजित किया। यह फैसला केवल संयोग नहीं था, बल्कि एक सूक्ष्म राजनीतिक रणनीति का हिस्सा था। कांग्रेस ने ने सरदार पटेल की कर्मभूमि के भाजपा द्वारा राष्ट्रीय प्रतीकों के 'अधिग्रहण' को चुनौती दी और पार्टी कैडर को आगामी चुनावी संघर्षों के लिए तैयार करने का प्रयास किया। कांग्रेस यह संदेश देना चाहती है कि सरदार पटेल कांग्रेस के विचारों से बाहर नहीं, बल्कि उसकी आत्मा के प्रमुख स्थापक रहे हैं। यद्यपि एआईसीसी सत्र में नयापन और जोश नजर आया, लेकिन पार्टी के सामने कई गंभीर चुनौतियां हैं। इन चुनौतियों में राज्यों में कांग्रेस की राज्यस्तरीय संगठनात्मक संरचना का कमजोर होना व युवाओं से जुड़ाव की कमी है। दरअसल, पहली बार वोट देने वाले युवा अब भी बीजेपी की राष्ट्रवाद और आकांक्षी राजनीति से अधिक प्रभावित हैं। चुनौती यह भी कि पार्टी में राहुल गांधी की औपचारिक स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं है।

वहीं पार्टी अब तक इंडिया गठबंधन में शामिल तृणमूल, आप और सपा जैसे दलों के साथ मतभेदों का समुचित प्रबंधन नहीं कर पायी है। वहीं पार्टी भाजपा के हिन्दुत्व के ध्रुवीकरण के मुकाबले उदार हिंदू वोटर को आकर्षित नहीं कर पायी, जिससे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा-विश्वास सुनिश्चित हो। एआईसीसी सत्र में कांग्रेस ने बूथ-स्तर के अभियानों, भारत जोड़ो यात्रा 2.0, और युवा, ऊर्जावान सोशल मीडिया पहलों की घोषणा की। कांग्रेस का 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान सीधे मतदाता से संपर्क साधने का प्रयास है। महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई जैसे फ्रंटल संगठनों को फिर से सक्रिय करने का निर्णय लिया गया है। गुजरात में कांग्रेस ने अपनी अलग पहचान को सामने रखा, मगर यह सत्र इंडिया गठबंधन में उसकी भूमिका को अनदेखा नहीं कर सका। राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से कहा कि कांग्रेस इस गठबंधन को एक सूत्र में पिरोने वाली कड़ी है और सीट बंटवारे को लेकर सम्मानजनक संवाद आवश्यक होगा।

कांग्रेस ने साफ कर दिया कि वह गठबंधन राजनीति के लिए प्रतिबद्ध है, परंतु किसी भी स्थिति में दूसरे दर्जे की भूमिका स्वीकार नहीं करेगी। विशेष रूप से राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में, जहां उसकी मजबूत पकड़ है, वह अधिकतम सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस का यह दृष्टिकोण—स्वतंत्र शक्ति के प्रदर्शन और

साझा विपक्ष की एकता बनाए रखना—2029 के आम चुनाव तक संतुलन साधने की एक बड़ी परीक्षा होगा। पिछले दो दशकों से भाजपा के गढ़ रहे गुजरात में एआईसीसी सत्र आयोजित करना कांग्रेस का साहसिक निर्णय था। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सिर्फ 17 सीटें जीत पाई थी। इस सत्र के जरिए पार्टी ने संकेत दिया कि वह वैचारिक जमीन छोड़ने को तैयार नहीं और उन क्षेत्रों में भी फिर से जड़ें जमाएगी। यह केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि विरासत की बात थी। कांग्रेस से जुड़े महात्मा गांधी और सरदार पटेल—दोनों महान स्वतंत्रता सेनानी—गुजरात से थे। पिछले एक दशक में भाजपा ने पटेल की छवि को हथियाने का भरपूर प्रयास किया है—उन्हें एक 'नजरअंदाज किए गए राष्ट्रवादी' के तौर पर पेश किया गया। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' इसका प्रतीक है, मगर ऐतिहासिक तथ्य बताते हैं कि पटेल कांग्रेस के एक कट्टर नेता थे, नेहरू के घनिष्ठ सहयोगी और संवैधानिक लोकतंत्र के प्रबल पक्षधर। राहुल गांधी ने याद दिलाया कि बतौर भारत के पहले गृहमंत्री, पटेल ने रियासतों के एकीकरण में अहम भूमिका निभाई थी—एक सेक्युलर और एकजुट भारत के निर्माणकर्ता के रूप में, न कि किसी हिन्दू राष्ट्रवादी के रूप में। संघ परिवार ने पटेल को नेहरू के वैचारिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में पेश करने की जो कोशिश की है, उसे कांग्रेस ने तथ्यात्मक रूप से चुनौती दी। पटेल ने गांधी जी की हत्या के बाद आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया और भारत के धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक ढांचे की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन के जरिये मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता ने पुराने और नए नेतृत्व के बीच संतुलन को दर्शाया, वहीं राहुल और प्रियंका गांधी ने नई पीढ़ी का चेहरा पेश किया।

सोनिया गांधी ने अपने संक्षिप्त भाषण में 'सत्य और धैर्य से संघर्ष' का संकल्प दोहराया। राहुल गांधी ने मुख्य भाषण में भावनात्मक और रणनीतिक दोनों ही पक्षों को जोड़ा। उन्होंने मोदी सरकार पर संस्थाओं के दुरुपयोग, लोकतंत्र की कमजोर पड़ती संरचना, बेरोजगारी, पूंजीवाद और असहमति की आवाज को दबाने जैसे मुद्दों को उठाया। निस्संदेह, एआईसीसी सत्र केवल औपचारिकता नहीं था, बल्कि एक रणनीतिक पुनर्संरेखन था। सरदार पटेल की भूमि को चुनकर कांग्रेस ने भाजपा के 'राष्ट्रवाद के एकमात्र ठेकेदार' होने के दावे को खुली चुनौती दी।

रुग्ण मानसिकता के खिलाफ विचार-यात्राएं जरूरी

विश्वनाथ सचदेव

अभी-अभी देश ने रामनवमी मनाई है-भगवान राम का जन्मदिन। इस उत्सव के आयोजन को लेकर देश के कुछ हिस्सों में कुछ अप्रिय घटनाएं भी घटीं। इन्हीं अप्रिय घटनाओं में एक राजस्थान में भी घटी थी। हुआ यूं कि राजस्थान के अलवर जिले में भगवान राम के एक मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर राज्य के एक कांग्रेसी नेता ने भी मंदिर जाने का निर्णय किया। वे मंदिर में गये। पूजा भी की। पर कुछ लोगों को उनका मंदिर में जाना पसंद नहीं आया। ऐसे ही लोगों में एक भाजपा के नेता भी थे, जिन्होंने 'मंदिर को पवित्र' करना ज़रूरी समझा। उनका यह मानना है कि मंदिर जाकर 'उस दलित कांग्रेसी नेता' ने मंदिर को अपवित्र कर दिया है। दलित नेता के जाने के बाद भाजपा नेता ने गंगाजल का छिड़काव करके मंदिर को पवित्र किया। उनके इस कृत्य की काफी आलोचना हो रही है, और उनके दल भाजपा ने उन्हें पार्टी से निष्कासित करके कारण बताओ नोटिस भी जारी कर दिया है। भले ही यह कार्रवाई भाजपा की राजनीतिक आवश्यकता हो, पर इस कार्रवाई का स्वागत ही किया जाना चाहिए।

समता, बंधुता और न्याय के आधार पर बने हमारे संविधान में अस्पृश्यता को एक अपराध घोषित किया गया है। स्वतंत्र भारत में इस अपराध में कमी भी आयी है, यह एक सच्चाई है, पर सच यह भी है कि हमारे समाज में आज भी अस्पृश्यता में विश्वास करने वाली सोच जिंदा है। और इस तथ्य को भी समझा जाना चाहिए कि सुधार के सारे दावों के बावजूद आज भी यह बीमार मानसिकता मनुष्यता के हमारे दावों-वादों को झुठला ही रही है। रामनवमी का उत्सव मनाने के आठ दिन बाद ही हमने हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये हैं। हमने यह भी देखा है कि देश के सभी राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं में इस अवसर पर बाबा साहेब के प्रति अपना सम्मान प्रकट करने की जैसे होड़-सी लगी हुई थी।

लेकिन हकीकत यह भी है कि अलवर जिले में घटी निंदनीय घटना आठ दिन बाद जैसे आसानी से भुला दी गयी। नहीं, ऐसी घटनाएं भुलाई नहीं जानी चाहिए। इन्हें याद रखना, इन पर चिंतन करना, इसलिए ज़रूरी है कि यह घटनाएं हमें आदमी और आदमी के बीच भेदभाव को समझने का अवसर देती हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस अपराध को मानवता पर कलंक कहते समय भी कहा था कि अस्पृश्यता रंग-भेद जैसा ही अपराध है- जैसे रंग-भेद मनुष्यता का अपमान है, वैसे ही अस्पृश्यता की अवधारणा भी अपने आप में कोई छोटा अपमान नहीं है। किसी व्यक्ति को किसी भी आधार पर इतना हीन समझना कि उसे छूना अपराध बन जाए, उसकी छाया अपवित्र मानी जाये, उसे बस्ती के किसी हिस्से में ही रहने को विवश किया जाये, चाय की गुमटियों पर उसके लिए पृथक बर्तन रखे जाएं, सांविधानिक अपराध ही नहीं है, यह उस बीमार सोच का भी परिचायक है जो स्वयं को ही पवित्र समझने वालों को मनुष्य कहलाने के अधिकार से वंचित करता है।

पिछले एक अर्से से आंकड़े नहीं मिल रहे, पर यह तथ्य अपने आप में बहुत कुछ कहता है कि देश में सत्तारूढ़ दल का कोई वरिष्ठ सदस्य एक विधानसभा में विपक्ष के नेता को मंदिर में जाने के लायक नहीं समझता। यह बात यहां रेखांकित की जानी चाहिए कि यह सदन में विपक्ष का नेता इसलिए मंदिर में जाने योग्य नहीं माना गया कि वह दलित है। पापी वह दलित नहीं है जो मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए गया, पापी ऐसा व्यक्ति है जो दलित के प्रवेश से मंदिर को अपवित्र मानता है। अछूतों के मंदिर प्रवेश को लेकर आज़ादी की लड़ाई के दौरान ही देश में महात्मा गांधी, बाबासाहेब अंबेडकर जैसे नेताओं ने कथित अछूतों के मंदिर-प्रवेश के अधिकार के लिए लड़ाई शुरू कर दी थी। स्वतंत्र भारत में भी यह लड़ाई जारी रही। हमारे संविधान की धारा 17 के अनुसार अस्पृश्यता दंडनीय अपराध है। पर संविधान में प्रावधान मात्र से बात नहीं बनती। सन 2005 में जारी एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार देश में हर 20 मिनट पर दलितों के खिलाफ एक अपराध होता था। निश्चित रूप से यह आंकड़ा अब बहुत कम हो गया होगा, पर यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि इस अपराध से कहीं अधिक गंभीर वह मानसिकता है जो एक मनुष्य को अछूत समझती है। इसी मानसिकता के चलते कुछ साल पहले उत्तर प्रदेश के एक तहसीलदार ने एक दलित महिला सरपंच के दफ्तर में जाने के बाद उस कुर्सी का 'शुद्धीकरण' किया था, जिस पर वह बैठी थी!

चुनाव जीत कर सरपंच बनी थी वह महिला, अपने ग्राम की किसी समस्या के समाधान के लिए ही तहसीलदार के कार्यालय गयी होगी। उसे अपवित्र घोषित करके वह तहसीलदार महोदय आखिर कहना क्या चाहते थे? पता नहीं, उन तहसीलदार महोदय के इस कृत्य के लिए उन्हें कोई सज़ा मिली थी या नहीं, पर उनका यह कृत्य किसी गंभीर अपराध से कम नहीं था। वस्तुत उनका यह अपराध मनुष्यता के विरुद्ध था। अब यही अपराध उन नेताजी ने किया है जिन्होंने दलित नेता के मंदिर से जाने के बाद इसका 'शुद्धीकरण' किया। शुद्धीकरण की आवश्यकता यदि किसी को है तो उस बीमार मानसिकता को है जो मनुष्य और मनुष्य में भेद करती है। जिन भगवान राम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा उस मंदिर में की गयी थी, उन्होंने अपने कृतित्व से बार-बार यह समझाया था कि मनुष्य जाति से नहीं, अपनी करनी से छोटा या बड़ा होता है। निषाद राज को गले लगाकर, उन्हें अपना भाई कह कर राम यही तो समझाना चाहते थे, शबरी के झूठे बेर खाकर भी उन्होंने यही बताया था।

ब्लड शुगर नियंत्रित रखे

डायबिटीज के मरीजों के लिए नारियल की मलाई बहुत फायदेमंद होती है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी कम होता है। वहीं, इसमें फाइबर मौजूद होता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसे खाने से ब्लड शुगर स्पाइक को रोकने में मदद मिलती है और इंसुलिन लेवल कंट्रोल में रहता है। डायबिटीज रोगी डॉक्टर से सलाह लेकर नारियल की मलाई का सेवन कर सकते हैं।

वजन घटाने में मददगार

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो आपको डाइट में नारियल की मलाई को शामिल करना चाहिए। इसमें मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद करता है। इसे खाने से भूख जल्दी नहीं लगती है और वजन घटाने में मदद मिलती है। साथ ही, इसमें मीडियम चेन ट्रिग्लिसेरिडिस नामक हेल्दी फैट पाया जाता है, जो शरीर के अतिरिक्त वजन को कम करने में मदद करता है।

पाचन के लिए लाभकारी

मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर वजन कम करना हो या कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करना, नारियल आपके लिए बहुत अच्छा और हेल्दी विकल्प है। नारियल की मलाई में फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाई जाती है, जो पाचन को बेहतर करता है। इसके सेवन से कब्ज दूर करने और पेट की सूजन को कम करने में मदद मिलती है। यह आंतों में गुड बैक्टीरिया को बढ़ाता है।

हड्डियों को करे मजबूत

नारियल की मलाई में एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन-ई और हेल्दी फैट्स भी होते हैं, जो त्वचा को नमी प्रदान कर झुर्रियों को कम करते हैं। साथ ही यह बालों को मजबूत और घना बनाने में भी मदद करता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाकर ऑस्टियोपोरोसिस से बचाते हैं। इसलिए इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करें और इसका उठाएं। हालांकि जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है उन्हें इसका सेवन कम करना चाहिए।

गर्मी में नारियल पानी पीने से दूर होगा डिहाइड्रेशन

देश के कई राज्यों में मौसम तेजी से बदलने लगा है। बढ़ते तापमान के साथ गर्मियों की भी शुरुआत हो गई है। गर्मियां आते ही सभी लोगों के लिए हाइड्रेशन पर ध्यान देना बहुत जरूरी हो जाता है। जब बात शरीर को हाइड्रेट करने की हो तो नारियल पानी सभी का सबसे पसंदीदा पेय रहता है। नारियल पानी न सिर्फ शरीर में पानी की कमी को दूर करता है साथ ही इससे सेहत को और भी कई प्रकार के लाभ होते हैं। इसके अलावा शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देना हो या गर्मियों से बचाना, इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति करना हो या फिर हार्ट को हेल्दी रखना नारियल पानी पीना इन सभी में आपके लिए बहुत लाभकारी माना जाता रहा है। नारियल पानी का सेवन दिल को स्वस्थ बनाए रखने में भी बहुत फायदेमंद हो सकता है।

नारियल की मलाई

अध्ययनों से पता चलता है कि नारियल की मलाई में लॉरिक एसिड होता है, जो बैड कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करके दिल को सेहतमंद रखता है। नारियल पानी के साथ-साथ आपको नारियल की मलाई का भी सेवन जरूर करना चाहिए। नारियल की मलाई न केवल स्वाद में बढ़िया होती है, बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होती है। इसमें हेल्दी फैट, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा भी पाई जाती है। इसमें नीयम-चैन ट्राइग्लिसराइड्स पाया जाता है, जो शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देता है। पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने की वजह से नारियल की मलाई इम्यूनिटी मजबूत करने में काफी फायदेमंद है। इसके सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और कई तरह की बीमारियों से बचाव होता है।

हंसना मना है

पापा- नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा- मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नहीं कर सकते।

एक लेखक महोदय कोई सभा में भाषण दे रहे थे-'अजीब इतफाक है कि जिस दिन प्रेमचंद जी का निधन हुआ, उसी दिन मेरा जन्म हुआ। देखा जाए तो वह दिन हिन्दी साहित्य के लिए बड़े दुर्भाग्य का दिन था' एक श्रोता ने अधूरा वाक्य पूरा किया।

'क्या हुआ मैडम, आपने ये स्वेटर आज तक पूरा नहीं किया? तुम तो एक स्वेटर 10 दिन में पूरा कर लेती थीं। 'बात ऐसी है कि मैं पांच-छः दिन आफिस नहीं जा सकी।

खरीदार-'भैंस की कीमत पांच हजार रुपये तो बहुत ज्यादा है। मालिक-'यह कैसे? खरीदार-'इसकी एक आंख जो नहीं है। मालिक-'आपको इससे दूध लेना है या कसीदाकारी करानी है।

डॉक्टर- जब आपको पता था, छिपकली आपके नाक में जा रही है, तो आपने रोका क्यों नही? पेशंट- पहले कॉकरोच गया था, मैंने सोचा उसे पकड़ने जा रही होगी।

वाईफ- सुबह मेरे चेहरे पे पानी क्यों डाला? हसबंड- तेरे बाप ने कहा था, मेरी बेटी फूल की तरह है इसे मुरझाने मत देना।

कहानी | लालची राजा

एक छोटे से राज्य में एक बहुत ही लालची राजा राज्य करता था। हालांकि वह बहुत अमीर था पर वह राजा इतना लालची था की अपने राज्य के लोगों से भी तरह तरह के कर लगाकर उनसे पैसा वसूल करता था। वह राजा सोने, चांदी हीरे मोती आदि चीजों को पसंद करता था। लेकिन उसकी एक बेटी थी जिसे वो इन सब चीजों से ज्यादा प्यार करता था। एक बार राजा अपने बागीचे में टहल रहा था। तभी उसने एक परी को देखा। परी के कुछ बाल पेड़ों की शाखाओं में फंस गए थे। राजा परी के पास आया और उसे बाहर निकालने में मदद की। परी खुश हो गई और राजा को धन्यवाद देकर जाने लगी। लेकिन राजा ठहरा लालची। उसने परी से कहा मैंने तुम्हारी मदद की है, तुम्हें इसके बदले मेरी इच्छा पूरी करनी होगी। परी ने राजा की एक इच्छा पूरी करने के लिए कहा। राजा ने कहा, मेरी इच्छा है मैं जिस भी चीज को हाथ लगाऊं वो चीज सोने की हो जाये। परी उसकी आभारी थी सो उसने राजा की इच्छा पूरी कर दी और वहां से चली गई। राजा ने एक पत्थर को हाथ लगाया अचानक पत्थर सोने का हो गया। लालची राजा बहुत खुश हुआ। अपनी पत्नी और अपनी लाड़ली बेटी को अपनी इस शक्ति के बारे में बताने के लिए अपने महल की ओर चल दिया। रास्ते में उसने कई पत्थर और कंकड़ को छूते हुए और उन्हें सोने में बदलते हुए देखा। जब राजा अपने महल पहुंचा तो उसकी बेटी उसे बधाई देने के लिए दौड़ी। जैसे ही वह उसे अपनी बाहों में लेन के लिए नीचे झुका, छूते ही बेटी एक सोने की मूर्ति में बदल गई। राजा तबाह हो गया और रोने लगा और अपनी बेटी को वापस लाने की कोशिश करता रहा। उसे अपनी मूर्खता और लालच का एहसास हुआ। अब वो अपनी शक्ति से छुटकारा पाना चाहता था। उसने अपने बाकी दिनों को अपनी इच्छा को दूर करने के लिए परी की खोज में बिताया।

कहानी से शिक्षा-लालच करना अच्छी बात नहीं है। लालच हमेशा पतन की ओर ले जाता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

वृषभ शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा।

मिथुन धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

तुला व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। लाभ होगा।

कुम्भ सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मीन शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

'फुले' पर लगी रोक तो अनुराग बोले- कोई मुझे समझाओ असली बेवकूफ कौन है?

फिल्म निर्माता और अभिनेता अनुराग कश्यप ने फिल्म 'फुले' को लेकर सेंसरशिप मुद्दों पर चिंता जताई है। महाराष्ट्र में ब्राह्मण समुदाय द्वारा फिल्म को लेकर जताई गई आपत्ति के बाद इसके रिलीज को कथित तौर पर स्थगित कर दिया गया था। अनुराग ने इस बात पर हैरानी जताई की फिल्म रिलीज से पहले ही समुदाय इस तक कैसे पहुंच प्राप्त कर पाया। उन्होंने जातिवाद को लेकर सरकार पर भी सवाल खड़े किए। अनुराग कश्यप ने पूरे मामले पर अपनी निराशा जताई। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी साझा की। अनुराग ने लिखा, 'मेरी जिंदगी का पहला नाटक ज्योतिबा और सावित्रीबाई फुले पर था। भाई अगर जातिवाद नहीं होता इस देश में तो ज्योतिबा और सावित्रीबाई फुले को क्या जरूरत थी लड़ने की। अब एक समुदाय के लोगों को शर्म आ रही है या वो शर्म में मरे जा रहे हैं या फिर एक अलग ही समुदाय भारत में हैं। हम देख नहीं पा रहे हैं, बेवकूफ कौन है कोई तो समझाए?' अनुराग का मानना है कि 'फुले' उन कई फिल्मों में से एक है, जिन्हें अपने बोल्ड और बेबाक विषयों के कारण दमन का सामना करना पड़ रहा है। वह 'पंजाब 95', 'तीस', 'धड़क 2' सहित कई फिल्मों का हवाला देते हुए सुझाव देते हैं कि इन फिल्मों को असहज सच्चाई को दर्शाने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। अनुराग ने लिखा, 'मुझे नहीं पता कि इस जातिवादी, क्षेत्रवादी, नस्लवादी सरकार के एजेंडे को उजागर करने वाली और कितनी फिल्में ब्लॉक की गई हैं। उन्हें अपना चेहरा आईने में देखने में शर्म आती है। उन्हें इतनी शर्म आती है कि वो खुलकर यह भी नहीं बता सकते कि फिल्म में ऐसा क्या है? जो उन्हें परेशान करता है। बकवास।' अपनी निराशा जताते हुए उन्होंने लिखा, 'भाई मिल के तय कर लो। भारत में जातिवाद है या नहीं?' अनुराग ने लिखा, 'धड़क 2 की स्क्रीनिंग में सेंसर बोर्ड ने बोला भारत में जाति व्यवस्था खत्म कर दी है।

सोनाक्षी ने जहीर से तलाक की बददुआ देने वाले को दिया जवाब, बोलीं-

पहले तेरे मम्मी और पापा देंगे फिर हम, प्रॉमिस

बाद में शत्रुघ्न सिन्हा और उनकी पत्नी शादी में शामिल हुए और बेटी को आशीर्वाद दिया। हालांकि उनके बेटों के ना पहुंचने पर काफी समय तक सुगबुगाहट चलती रही थी।

सोनाक्षी सिन्हा अपनी मैरीड लाइफ में काफी खुश नजर आती हैं। हालांकि उनकी खुशियां कुछ ट्रोल्स से बर्दाश्त नहीं होतीं। सोशल मीडिया पर लोग अक्सर उनकी शादी से जुड़े नेगेटिव कमेंट्स करते हैं। इस बार सोनाक्षी ने एक ट्रोल को पलटकर सॉलिड जवाब दिया। सोनाक्षी सिन्हा ट्रोल्स का मुंह बंद करना अच्छी तरह से जानती हैं। उनके एक पोस्ट पर शख्स ने उन्हें तलाक की बददुआ दी थी। सोनाक्षी ने उसका जवाब दिया है और एक शर्त पर तलाक का वादा भी किया है। सोनाक्षी ने जहीर इकबाल से शादी की है। दूसरे धर्म में शादी करने के बाद उनको इंटरनेट पर काफी नेगेटिविटी का सामना करना पड़ा। हालांकि सोनाक्षी और जहीर इन सबसे बेफिक्र दिखते हैं। अब सोनाक्षी और एक ट्रोल के बीच कमेंटबाजी का एक स्क्रीनशॉट वायरल है। किसी ने पोस्ट पर लिखा है, तुम्हारा तलाक तुम्हारे बहुत करीब है। इस पर सोनाक्षी ने जवाब दिया है, पहले तेरे मम्मी-पापा करेंगे फिर हम, प्रॉमिस। सोनाक्षी के इस जवाब की कई लोग तारीफ कर रह हैं। सोनाक्षी सिन्हा की शादी के समय भी कई तरह की गॉसिप चल रही थीं। लोगों को लग रहा था कि शत्रुघ्न सिन्हा नाराज हैं।

युवा पीढ़ी को संस्कार सिखाना बेहद जरूरी

अमिताभ बच्चन ने हाल ही में नई पीढ़ी को संस्कार सिखाने की अहमियत पर अपने विचार साझा किए। 82 साल के इस दिग्गज अभिनेता का मानना है कि आज के तेजी से बदलते दौर में पारंपरिक मूल्यों का महत्व कम होता जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें युवाओं को नैतिकता और सांस्कृतिक मूल्यों की शिक्षा देनी चाहिए। अमिताभ ने अपने ताजा ब्लॉग में लिखा, हर दिन कुछ नया सीखना जिंदगी को समृद्ध करता है। यह सीख युवाओं से, नई पीढ़ी से या किसी भी पीढ़ी से आ सकती है, लेकिन इसका मूल्य सिर्फ भौतिक नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक भी होता है। बिग बी के मुताबिक संस्कार वह शक्ति है जो हमारे व्यवहार को दिशा देती है। यह वह शिक्षा है जो हमें हमारे पूर्वजों ने अपने व्यवहार, मार्गदर्शन और आचरण से दी। उन्होंने संस्कार को जीवन की शोभा बताया, जो हमें यह सिखाता है कि कब और कहां कैसा व्यवहार करना चाहिए। अमिताभ ने लिखा, संस्कार हमारे जीवन को अंत तक प्रभावित करते हैं। यह सिर्फ इंसानों तक सीमित नहीं, बल्कि हर प्राणी और पर्यावरण तक फैला है। अमिताभ ने समय के महत्व पर भी बात की। उन्होंने कहा, जब समय कम होता है तो हम सबसे ज्यादा काम कर लेते हैं, लेकिन जब समय की कमी नहीं होती तो काम शुरू ही नहीं होता। अमिताभ के मुताबिक हम अक्सर कहते हैं कि कल करेंगे, लेकिन वह कल कभी नहीं आता। इस आलस्य को वह क्षमा लायक नहीं मानते हैं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह भी कई बार समय के इस जाल में फंस जाते हैं, लेकिन वह अपने दिमाग की इस लड़ाई को जीतने की कोशिश करते हैं। अमिताभ का मानना है कि आज के दौर में संस्कारों की कमी चिंताजनक है। उन्होंने नई पीढ़ी को यह संदेश दिया कि हमें अपने मूल्यों को जीवित रखना होगा। उन्होंने कहा, संस्कार वह शक्ति है जो हमें सही रास्ता दिखाती है। इसे अपनाने से ही हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं।

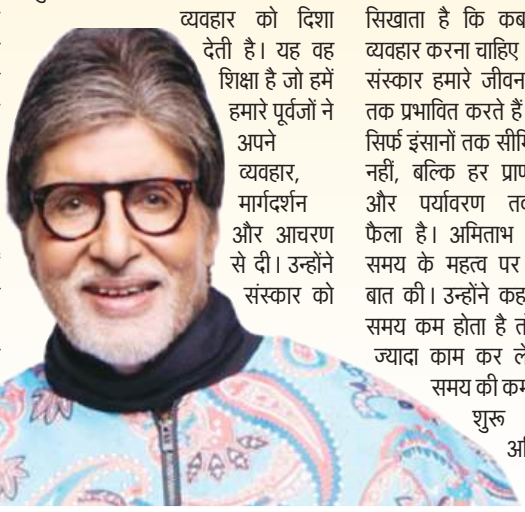

बिग बी बोले- हर दिन कुछ नया सीखना जिंदगी को करता है समृद्ध

औरत के छूने से शख्स को एलर्जी, 55 साल से खुद को बाड़े में कर रखा है कैद

दुनिया एक मर्द और औरत के मिलन से ही आगे बढ़ती है। जब दोनों एक-दूसरे से मिलते हैं, पास आते हैं तब एक नई जिंदगी का निर्माण होता है। आदम और हवा ने इसी तरह दुनिया को आगे बढ़ाया था। लेकिन क्या होता अगर आदम को हवा से चिढ़ होती? जाहिर सी बात है कि इसके बाद इंसानों की प्रजाति आगे बढ़ ही नहीं पाती। आज की डेट में दुनिया में ऐसे कुछ लोग हैं जो किसी ख़ास वजह से ब्रम्हचर्य रहने की कसम खाते हैं। भारत में तो ऐसा पौराणिक समय से होता आ रहा है। लेकिन अब इनकी संख्या काफी कम हो गई है। सोशल मीडिया पर एक ऐसे ही ब्रम्हचारी की खूब चर्चा हो रही है। कैलिटेक्स नज़मुईता नाम के इस शख्स ने आजतक महिलाओं से कभी सम्पर्क नहीं किया। 71 साल के इस शख्स ने अपने घर के चारों तरफ 15 फ़ीट का एक फेन्स बना रखा है। वो खुद को उसी के अंदर कैद करके रखता है। सब 71 साल के हो चुके कैलिटेक्स को महिलाओं से डर लगता है। इस कारण ही उसने खुद को अपने घर में कैद कर रखा है ताकि उसे किसी महिला से मिलना ना पड़े। कैलिटेक्स अब 71 साल का हो चुका है। लेकिन अपनी इतनी लंबी जिंदगी में उसने कभी किसी महिला से सम्पर्क नहीं किया। उसकी ना कोई पत्नी है ना कोई प्रेमिका। उसे महिलाओं से काफी डर लगता है। महिलाओं को दूर रखने के लिए उसने अपने घर के चारों तरह पंद्रह फ़ीट की एक दीवार बना रखी है। पिछले 55 साल से वो इस घर के अंदर रहता है। कैलिटेक्स को महिला और पुरुष के बीच के रिश्ते से ही डर लगता है। उसने बीते पचपन साल से बाहर की दुनिया नहीं देखी है। खुद को पचपन साल से कैद रखने की वजह खुद कैलिटेक्स ने बताई। उसने खुलासा किया जब वो छोटा था और घर पर कोई महिला आती थी तो उसे काफी डर लगता था। उसने अपने इस डर को खत्म करने के लिए समस्या से दूरी बनाने का फैसला किया। उसने खुद को महिलाओं से बिलकुल कट ऑफ़ कर लिया। लेकिन जिस महिला से उसे डर लगता है, उनकी वजह से ही कैलिटेक्स जिंदा भी है। उसके गांव की महिलाएं ही उसके लिए राशन ले कर आती हैं। साथ ही ये समझते हुए कि कैलिटेक्स को उनसे डर लगता है, कोई भी महिला उसके घर के अंदर जाने की कोशिश नहीं करती।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे भुतहा गांव

कुत्ते से लेकर इंसान तक सभी भूत!

भूत-प्रेतों में क्या आप यकीन करते हैं? जिस तरह से दुनिया में आस्तिक और नास्तिक हैं, उसी तरह कुछ लोग भूतों पर यकीन करते हैं तो कई लोगों को ये सिर्फ मन का वहम लगते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जिनके मुताबिक़, भूत-प्रेत जैसा कुछ होता नहीं है, तो शायद यूके के इस गांव में जाने के बाद आपके विचार बदल जाएंगे। यूके में बसे एक छोटे से गांव में आपको सड़कों पर घूमते कुत्ते, इंसान सहित ऐसे कई लोग मिल जाएंगे जिनकी मौत कई साल पहले हो चुकी है।
जी हां, हम बात कर रहे हैं इंग्लैंड के केंट में बसे Pluckley नाम के गांव की। इस गांव को दुनिया में सबसे डरावना और भुतहा माना जाता है। इस गांव में कुल 12 ऐसी जगहें हैं, जहां भूत खुलेआम घूमते दिखाई देते हैं। सबसे हैरत की बता ये है कि इस गांव के भुतहा होने की बात खुद गिनीज बुक रिकॉर्ड में भी दर्ज है। जिस रिकॉर्ड बुक में आने के लिए लोगों को काफी मेहनत करनी पड़ती है, जिसमें नाम लिखवाने के लिए सबूत देना पड़ता है, उसने भी मान लिया कि वाकई इस गांव में भूत घूमते हैं। इस गांव में कई अडवेंचरस लोग छुट्टियां मनाने आते हैं। इसे स्टेकशन के लिए जाना जाता है। इस गांव में बारह ऐसे स्पॉट्स हैं, जहां लोगों ने दिन या रात, किसी भी टाइम भूत देखा है। अगर आपने इन गलियों में किसी से बात की है, या किसी ने आपको टोका है तो जरुरी नहीं की वो जिंदा होगा। कई साल पहले मर चुके लोग भी यहां आपसे बात कर सकते हैं। बेहद खूबसूरत इस गांव में आपको सुविधा की सारी चीजें मिल जायेंगी। इसमें चर्च, स्कूल, रेस्त्रां और कई दुकानें शामिल है। ये गांव भुतहा है, इसकी जानकारी ज्यादातर लोगों को है। लेकिन इसके बाद भी वो यहां छुट्टी मनाने आते हैं। इस गांव का इतिहास काफी पुराना है। यहां वर्ल्ड वॉर 1 के कई सैनिक रहते थे। कहा जाता है कि ये सैनिक मौत के बाद अपने परिवार से मिलने यहां वापस भूत बनकर आए और फिर लौटे नहीं। इस गांव को मोस्ट हॉन्टेड का टैग गिनीज बुक ऑफ़ रिकॉर्ड से भी मिल चुका है। गांव में ऐसे बारह लोग हैं, जो भूत बनकर किसी को भी नजर आ जाते हैं। इसमें एक कुत्ता भी शामिल है।

बयान से छेड़छाड़ करने में भाजपा माहिर : दिग्विजय

» मंत्री सारंग दिग्विजय का वीडियो जारी कर बोले- पूर्व सीएम ने कबूली दंगे कराने की बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसमें दिग्विजय बाबरी मस्जिद गिरने के बाद हुए दंगे के बारे में बात कर रहे थे। सारंग ने कहा कि दिग्विजय ने स्वीकार ही किया कि बाबरी मस्जिद कांड के बाद दंगा फसाद उन्हीं ने कराया। वह स्वयं कह रहे हैं कि बाबरी मस्जिद शहीद हुई और उसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए दंगा फसाद कराया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा बयानों में छेड़छाड़ करने में माहिर है।

वहीं सारंग ने आगे कहा कि यह बयान साफ करता है कि कांग्रेस ने इस देश में दंगा फसाद कराने का काम किया है। दिग्विजय ने खुद कबूल किया है कि दंगे उन्होंने कराए थे। वीडियो जारी होने के बाद दिग्विजय सिंह ने सफाई में बयान जारी किया और कहा कि मेरे बयान को तोड़ मरोड़ के पेश किया गया। मेरे बयान से बीजेपी के नेताओं ने ना शब्द हटा दिया। पूरा देश जानता है दिग्विजय सिंह दंगे के खिलाफ है। 1 मिनट 12 सेकंड के वीडियो में पूर्व सीएम कह रहे हैं कि ऐसे अनेक मेरे पास उदाहरण हैं, जब बाबरी मस्जिद शहीद हुई थी, उस समय मैं प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष था, भोपाल शहर में 1947 में भी दंगा नहीं हुआ, लेकिन बाबरी मस्जिद गिरने पर दंगा हुआ। लगभग दो हफ्ते तक मैंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दफ्तर में रात बिताई। मैं घर नहीं जाता था। लेकिन हमने दंगा फसाद होने में पूरी कोशिश की। वीडियो जारी होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ने बाबरी मस्जिद के संदर्भ में आगे कहा कि भोपाल में एक काजी कैंप है, जहां सलामत सिद्दीकी नामक पार्षद ने उन्हें बताया था कि पुलिस की वर्दी में लोग रात के समय उनके घर आए थे। सिद्दीकी ने उन्हें बताया था कि पुलिस की वर्दी में लोग रात के समय उनके घर आए थे।

बीजेपी के नेताओं ने ना हटा दिया

दिग्विजय सिंह ने कहा कि मेरे बयान को तोड़ मरोड़ के पेश किया गया। मेरे बयान से बीजेपी के नेताओं ने ना हटा दिया। पूरा देश जानता है दिग्विजय सिंह दंगे के खिलाफ है। मैंने ये कहा था कि 15 दिन पीसीसी दफ्तर में सोया था। हिंदू, मुसलमान के साथ मिलकर दंगा फसाद ना हो उसके प्रयास किया था। सिर्फ मेरे बयान से ना ही तो हटाना था। बाबरी मस्जिद को शहीद बताने वाले बयान पर दिग्विजय ने कहा - किसी धार्मिक स्थल को जबरदस्ती गिराओगे तो क्या कहेंगे।

गुजरात में आप के विकास से डरी बीजेपी : भारद्वाज

» आप नेता दुर्गेश पाठक के आवास पर सीबीआई के छापे पर भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने आप नेता दुर्गेश पाठक के आवास पर छापेमारी की। सीबीआई सूत्रों का कहना है कि यह तलाशी एजेंसी द्वारा दर्ज एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) के कथित उल्लंघन के मामले से संबंधित है। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को दावा किया कि पिछले गुजरात चुनाव के दौरान भी यही हुआ था, जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आप के नेताओं को गिरफ्तार किया था।

पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर पोस्ट किया, पिछले गुजरात चुनावों के कारण, भाजपा की केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार करना शुरू कर दिया था और अब जब दुर्गेश पाठक को गुजरात की जिम्मेदारी मिली है तो आज सीबीआई ने उनके घर पर छापा मारा है।आप के राष्ट्रीय सचिव संदीप पाठक ने कहा कि सीबीआई ने दुर्गेश पाठक के आवास पर छापा तब मारा जब उन्हें गुजरात में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सह-प्रभारी नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि छापेमारी से संकेत मिलता है कि भाजपा आप को राज्य में बढ़ते खतरे के रूप में देखती है। पाठक ने एक्स पर पोस्ट किया, गुजरात चुनाव 2027 के लिए सह-प्रभारी नामित किए जाने के कुछ ही दिनों बाद आम आदमी पार्टी के नेता दुर्गेश पाठक के आवास पर आज सुबह सीबीआई की छापेमारी एक जोरदार संदेश देती है कि भाजपा स्पष्ट रूप से आप को गुजरात में बढ़ते खतरे के रूप में देखती है और इसके बढ़ते प्रभाव से घबरा गई है।

घर में पहली जीत दर्ज करना चाहेगी आरसीबी

» आज के मैच में पंजाब का स्पिन आक्रमण बन सकता है मुसीबत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए घर में जीत दर्ज करना चुनौती बना हुआ है। आज उनका सामना पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच में अगर आरसीबी को जीत दर्ज करनी है तो उन्हें पंजाब के स्पिन आक्रमण से सावधान रहना होगा। आरसीबी के बल्लेबाजों को बंगलुरू की धीमी पिच पर गुजरात टाइटंस के आर साई किशोर तथा दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव और विपराज निगम के सामने संघर्ष करना पड़ा था। अब युजवेंद्र चहल और ग्लेन मैक्सवेल उनकी इस कमजोरी का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। यही नहीं, चहल और मैक्सवेल लंबे समय तक आरसीबी की तरफ से खेलते रहे हैं और यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

वहीं आरसीबी के पास क्रूणाल पांड्या और सुयश शर्मा के रूप में अच्छे स्पिनर हैं और टीम उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पंजाब टीम के पास अर्शदीप सिंह और मार्को यानसेन के रूप में अच्छे तेज गेंदबाज हैं, हालांकि वे आरसीबी के जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार जितने अनुभवी नहीं हैं। अगर कप्तानों की बात करें तो रजत पाटीदार और श्रेयस अय्यर में बहुत कम समानता है। इस टूर्नामेंट में एक बल्लेबाज के रूप में शानदार रिकार्ड रखने वाले अय्यर ने आईपीएल विजेता कप्तान के रूप में अपनी साख साबित की है। दूसरी तरफ पाटीदार आईपीएल में पहली बार कप्तान बने हैं। लेकिन असमानता यहीं पर खत्म हो जाती है क्योंकि यह दोनों खिलाड़ी शांत रहकर बड़ी कुशलता से अपनी टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं।

चेज करते हुए मुंबई की वानखेड़े पर 29वीं जीत

मुंबई। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार विकेट से हराया। सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.1 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मुंबई के लिए कोई बल्लेबाज बड़ी पारी तो नहीं खेल सका, लेकिन टुकड़ों में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और जीत हासिल करने में सफल रहे। यह मुंबई की सात मैचों में तीसरी जीत है और वह छह अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की वानखेड़े में 29वीं जीत है। वहीं, सनराइजर्स को सात मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा है और वह चार अंकों के साथ नौवें स्थान पर है। वहीं, हैदराबाद किसी और वेन्यू पर अब तक एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई है। इससे पहले उन्हें दिल्ली से विशाखापत्तनम में मात मिली थी। उसके बाद गत विजेता कोलकाता ने उन्हें ईडेन गार्डंस में हराया था।

'कर्नाटक लेगा जाति जनगणना पर फैसला'

» कांग्रेस अध्यक्ष खरगे बोले- केंद्र सरकार को किसी के विकास से मतलब नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कर्नाटक में पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट पर मंत्रिमंडल में विचार-विमर्श करेगी और उचित निर्णय लेगी। सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट को 'जाति जनगणना' के नाम से जाना जाता है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने अब तक इसे नहीं देखा है। खरगे ने कहा, यह राज्य सरकार पर छोड़ दिया गया है, हर राज्य अपना काम करता है।

केंद्र सरकार ने ऐसा नहीं किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा केंद्र सरकार को किसी के विकास से मतलब नहीं है। उन्होंने कहा राज्य सरकार मंत्रिमंडल में चर्चा करेगी और निर्णय लेगी। मैंने रिपोर्ट नहीं देखी है। मामला राज्य सरकार पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने रिपोर्ट के विरोध के बारे में पूछे जाने पर कहा, (विरोध) हो सकता है। मैंने अपनी राय साझा की है। जाति जनगणना पर विरोध के बीच मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की अगुवाई में कर्नाटक सरकार की एक विशेष बैठक इस मुद्दे पर चर्चा के लिए बुलाई गई। समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा भी जाति जनगणना सर्वेक्षण पर आपत्ति जताई गई है और सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर भी इसके खिलाफ जोरदार आवाजें उठ रही हैं। उधर इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष ने गांधी परिवार के पर ईडी द्वारा चार्जशीट दिये जाने पर मोदी सरकार को जमकर कोसा। उन्होंने कहा कांग्रेस झुकने वाली नहीं है। वह इसका विरोध करते रहेंगे।

कर्नाटक के दो प्रमुख समुदायों ने जाति जनगणना पर जताई आपत्ति

कर्नाटक के दो प्रमुख समुदायों वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों सहित विभिन्न समुदायों के लोगों ने इस सर्वेक्षण (जाति जनगणना) को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है और इसे 'अव्यवस्थित' करार दिया है। समुदायों ने इस सर्वेक्षण को खारिज कर नया सर्वेक्षण कराने की मांग की है।

हम हिंदू हैं, पर महाराष्ट्र में हिंदी का करेंगे विरोध : राज ठाकरे

» बोले- त्रिभाषी फॉर्मूला को सरकारी मामलों तक सीमित रखें, शिक्षा में न लाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन के तहत स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाए जाने का विरोध किया। ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी इस अनिवार्यता को बर्दाश्त नहीं करेगी और केंद्र को महाराष्ट्र में आगे बढ़ने के लिए हर चीज को हिंदीकृत करने की अनुमति नहीं देगी।

राज ठाकरे ने एक्स पर में लिखा कि हम हिंदू हैं, लेकिन हिंदी नहीं! अगर आप महाराष्ट्र को हिंदी के रूप में चित्रित करने की कोशिश करेंगे। ठाकरे ने लिखा आपका त्रिभाषी फॉर्मूला जो भी हो, उसे सरकारी मामलों तक सीमित रखें, शिक्षा में न लाएं।

बिहार में असली डबल इंजन है-अपराध और भ्रष्टाचार : तेजस्वी यादव

विपक्षी नेता बोले- विस चुनाव के लिए महागठबंधन पूरी तरह से मजबूत

» आगामी चुनाव को लेकर विपक्ष की हुई बड़ी बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार चुनाव को लेकर पटना में महागठबंधन की बड़ी बैठक हुई। यह बैठक ढाई घंटे तक चली। बिहार महागठबंधन की बैठक के बाद आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के हालात पर महागठबंधन की पहली बैठक हुई। हमने गरीबी, बेरोजगारी और पलायन से जुड़े मामलों पर चर्चा की। हमने गरीबी, बेरोजगारी और पलायन से जुड़े मामलों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पिछले 20 सालों से सत्ता में रही सरकार के खिलाफ बिहार के लोगों में काफी गुस्सा है। अपराध, बेरोजगारी और मजदूरों के पलायन में बिहार नंबर वन है। राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है।

राजद नेता ने कहा कि पीएम मोदी और गृह मंत्री बिहार आते रहते हैं और उन्हें जवाब देना चाहिए कि बिहार में क्या हो रहा है। बिहार में असली डबल इंजन है- अपराध और भ्रष्टाचार। उन्होंने कहा कि लोग इस खटारा सरकार से परेशान हैं। अगर आप केंद्र सरकार की नीति आयोग की रिपोर्ट देखें तो बिहार पिछले 20 सालों से सबसे गरीब राज्य रहा है। श्रम मंत्रालय ने इस राज्य से प्रवासियों की पंजीकृत संख्या 2 करोड़ बताई है। अगर गैर-पंजीकृत की बात करें तो यह संख्या लगभग 4-5 करोड़ है। इसका मतलब है कि बिहार गरीबी, पलायन और बेरोजगारी में नंबर 1 है। कानून व्यवस्था की आपराधिक अव्यवस्था है। सीएम के बारे में क्या कहूं, वे बेहोश हैं। लेकिन, मोदी और शाह इतनी बार बिहार आते हैं, उन्हें इसका जवाब देना चाहिए। हालांकि, जब तेजस्वी से सीएम फेस को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि थोड़ा इंतजार कीजिए। तेजस्वी ने कहा कि बिहार चुनाव के लिए महागठबंधन पूरी तरह से मजबूत है। वहीं कांग्रेस नेता शकील अहमद खान ने कहा कि गठबंधन की समन्वय समिति चीजों को आगे बढ़ाने के लिए काम करेगी। दूसरी ओर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पिछले तीन चुनावों से नीतीश कुमार के नेतृत्व में महागठबंधन लगातार हार रहा है। ये लोग आगे भी हारते रहेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के बीच बैठकों का दौर जारी है। बैठक में राजद, कांग्रेस, वामदल, विकास इंसान पार्टी के प्रमुख नेता शामिल हुए। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार, भाकपा माले के सचिव कुणाल, वीआईपी से मुकेश सहनी समेत सभी घटक दलों के प्रमुख नेता पहुंचे।

सीएम फेस के सवाल को टाल गए तेजस्वी

बिहार में मुख्यमंत्री की पहली पसंद है तेजस्वी

बिहार विधानसभा चुनाव में अब लगभग छह महीने बाकी हैं। लेकिन चुनावी रुझानों पर नजर रखने वाले सी-वोटर द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि जेडी(यू) नेता नीतीश अगले बिहार चुनाव के लिए शीर्ष विकल्प नहीं हैं। नीतीश बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले व्यक्ति हैं और अब तक लगातार 10 साल से सीएम हैं। बीच के कुछ महीनों के छोड़ दे तो उससे पहले भी वह सीएम रहे हैं। नीतीश लगातार बिहार का नेतृत्व 2005 से कर रहे हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद उन्होंने कुछ समय के लिए सीएम पद से इस्तीफा दिया था। हालांकि, अब सवाल यह है कि अगर नीतीश तीसरे स्थान पर हैं, तो बिहार के सीएम पद के लिए सबसे पसंदीदा उम्मीदवार कौन है? सी-वोटर सर्वेक्षण ने संकेत दिया कि राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव अगले बिहार के मुख्यमंत्री बनने के लिए सबसे पसंदीदा उम्मीदवार हैं। इस बीच, विश्लेषक से राजनेता बने प्रशांत किशोर ने रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया।

पीएम मोदी से लेकर मीडिया तक को नियंत्रित कर लड़ेंगे बिहार चुनाव : अल्लावरू

बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने स्पष्ट कर दिया है कि बिहार में चुनाव को सीट बंटवारे, कैंपेन से लेकर घोषणापत्र तय करने के लिए इंडिया गठबंधन की कॉर्डिनेशन कमेटी बनाई गई है। यह कमेटी ही चुनाव से जुड़ा सारा काम देखेगी। इसका नेतृत्व तेजस्वी यादव करेंगे। इसमें सभी दलों के नेता सदस्य के रूप में रहेंगे। कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि इंडिया गठबंधन में कॉर्डिनेशन कैसे होगा, घोषणापत्र क्या होगा? कौन से दल कितनी सीटों चुनाव लड़ेंगे? चुनाव प्रचार कैसे होगा? सोशल मीडिया पर कैसे प्रचार होगा? जनता के बीच कैसे प्रचार प्रसार होगा प्रदेश से लेकर प्रखंड स्तर तक समन्वय कैसे होगा? इन्हीं सब चीजों के लिए इंडिया गठबंधन की कॉर्डिनेशन कमेटी बनाई गई है। इसका नेतृत्व तेजस्वी यादव करेंगे। हमलोग हर हाल में सरकार बनाएंगे।

एम करुणानिधि के स्मारक पर मंदिर की रेप्लिका बनाने से रार

डीएमके पर भाजपा का वार, बोली- यह हिंदू आस्था पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। चेन्नई के मरीना बीच पर पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि के स्मारक पर मंदिर के गोपुरम की प्रतिकृति रखे जाने के बाद तमिलनाडु में एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने सत्तारूढ़ द्रमुक पर इस तरह के इशारे से हिंदू भावनाओं को ठेस पहुँचाने का आरोप लगाया और इसे अहंकार की पराकाष्ठा बताया। इसने यह भी कहा कि यह कार्रवाई हिंदू आस्था पर हमला है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नारायणन तिरुपति ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से माफ़ी मांगी।

द्रमुक के दिग्गज नेता एम. करुणानिधि ने 1969 से 2011 तक पाँच कार्यकालों में लगभग 20 वर्षों तक तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का पद संभाला। 2018 में उनका निधन हो गया और उनके सम्मान में मरीना बीच पर एक स्मारक बनाया गया। हिंदू विरोधी डीएमके सरकार जल्द ही सत्ता से बाहर हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि यह अहंकार की पराकाष्ठा है। हिंदू धार्मिक विभाग ने कब्रिस्तान पर मंदिर का गोपुरम बना दिया है। क्या यह बकवास नहीं है? आप ऐसा कैसे कर सकते हैं? क्या आपको शर्म नहीं आती? मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री को इसके लिए और हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए माफी मांगनी चाहिए। भाजपा के आरोपों के जवाब में डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा कि यह तमिलनाडु सरकार का प्रतीक है और हर साल ऐसा होता है। आपको बता दें तमिलनाडु में इससे पहले भी हिंदु विरोधी बयान आते रहें है। यहां के डिप्टी सीएम व सीएम स्टालिन के पुत्र उदय निधि ने हिंदु धर्म को बीमारी कहा था इसके बाद बहुत बवाल हुआ था।

हिंदुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ भविष्य में डीएमके को पड़ेगा महंगा : तिरुपति

स्मारक पर मंदिर की प्रतिकृति रखे जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता तिरुपति ने कहा कि यह हिंदू मान्यताओं का अपमान है। उन्होंने स्मारक की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, जहां शव को दफनाया जाता है, वहां मंदिर का गोपुरम कैसे बनाया जा सकता है? यह हिंदुओं की आस्था और विश्वास पर हमला है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को तुरंत इसे हटाने का आदेश देना चाहिए। हिंदुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना भविष्य में डीएमके को महंगा पड़ेगा।

ईडी ने जब्त की जगन मोहन रेड्डी की जमीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। मामला दर्ज होने के एक दशक से अधिक समय बाद, ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और डालमिया सीमेंट्स (भारत) लिमिटेड (डीसीबीएल) की 405 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की है। हालांकि, डीसीबीएल ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि संपत्ति का मौजूदा मूल्य 793.3 करोड़ रुपये है।

ईडी की हैदराबाद इकाई ने 31 मार्च को कुर्की का आदेश जारी किया, जो 15 अप्रैल को डीसीबीएल को प्राप्त हुआ। मामला जगन के सीएम बनने से पहले कारोबारी वर्षों के दौरान कथित तौर पर किए गए क्विड प्रो क्वो निवेश की 2011 की सीबीआई जांच से उपजा है। इन संपत्तियों में जगन द्वारा कार्मेल एशिया होल्डिंग्स, सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज और हर्षा फर्म सहित कई फर्मों में रखे गए 27.5 करोड़ रुपये के शेयर शामिल हैं।

यूपी में आंधी-बारिश बनीं जानलेवा 11 की मौत, कई लोग घायल

» ओलावृष्टि ने किसानों को पहुंचाया नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में अचानक आई आंधी और बारिश की वजह से यूपी के अवध हिस्से में 11 मौतें हुई। यह घटनाएं अयोध्या, बाराबंकी और अमेठी जिले में हुईं। दीवार, टीन शेड और पेड़ गिरने से यह हादसे हुए। सीएम योगी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि प्रभावित परिवारों से मिलकर उन्हें तत्काल राहत पहुंचाई जाए। साथ ही साथ अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण करें। गुरुवार को हुए इस हादसों में बाराबंकी में टिन शेड, दीवार और पेड़ गिरने से चपेट में आए पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं छह लोग घायल हुए।

इसी तरह अयोध्या में अलग-अलग हादसों में पांच महिलाओं की मौत हुई और आधा दर्जन लोग इसमें घायल हो गए। अमेठी जिले में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। बेमौसम हुई इस बारिश से कई मार्गों में पेड़ गिरे। पेड़ गिरने से यातायात बाधित होने के साथ-साथ बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हुई। आम और गेहूं की फसल को बड़ा नुकसान हुआ है। तेज आंधी, बारिश व ओलावृष्टि ने किसानों के लिए परेशानी खड़ी कर दी।

अमेरिका के साथ छात्र वीजा के मुद्दे को कब उठाएंगे विदेश मंत्री : जयराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी आव्रजन अधिवक्ता संघ (एआईएलए) का यह दावा चिंताजनक है कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों के वीजा निरस्तीकरण मामलों में से 50 फीसदी भारतीय छात्रों से संबंधित हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि्या विदेश मंत्री एस जयशंकर अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रूबियो के साथ बातचीत में इस मुद्दे को उठाएंगे? रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया,''अमेरिकी आव्रजन अधिवक्ता संघ द्वारा कल जारी किया गया एक प्रेस वक्तव्य भारत के लिए चिंता का विषय है।

संगठन द्वारा अब तक एकत्र किए गए अंतरराष्ट्रीय छात्रों के 327 वीजा रद्दमामलों में से 50 प्रतिशत छात्र भारतीय हैं।''

कांग्रेस ने एआईएलए के दावे को बताया चिंताजनक

उन्होंने कहा कि वीजा रद्द करने के कारण असंगत और अस्पष्ट हैं तथा इससे छात्रों में डर और आशंका लगातार बढ़ रही है। रमेश ने सवाल किया कि क्या विदेश मंत्री इस मामले को संज्ञान में लेकर अपने अमेरिकी समकक्ष के सामने यह मुद्दा उठाएंगे? विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा था कि अमेरिका में स्थित भारतीय मिशन वीजा रद्द किए जाने से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे भारतीय छात्रों के साथ लगातार संपर्क में हैं और उन्हें यथासंभव सहायता प्रदान कर रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।